आज की मुरली का सार -- Date: 14-05-2014

बाबा ने कहा, बच्चों को याद की यात्रा में रहकर पावन जरूर बनना हैं. जो बच्चे पावन बनते हैं वही बाप के खिदमतगार बन सकते हैं. बाप (खुदा या भगवान) का खिदमतगार किसे कहते हैं?

खुदाई खिदमतगार का मतलब है, खुदा के काम में मददगार बनने वाले.

बाबा ने हमें आज दो प्रकार के खिदमतगार आत्माओं के बारे में बताया हैं.

एक है हम साकार रुप में बाबा की श्रीमत् को एक्युरेंट फोलो करने वाले ब्राह्मण बच्चे. जिसे बाबा मैसेन्जर या पैगम्बर भी कहते है जो बाप का परिचय विश्व की आत्माओं को देने निमित बने हैं.

दूसरे है हम ब्राह्मण आत्माओं में से जो तीव्र पुरुषार्थ कर, योगबल से संपूर्ण पावन फरिश्ता बनते हैं. बाबा ने इस पर ही आज कहा, मम्मा बाबा योगबल से ऐसा फरिश्ता बनते है तो हम बच्चे भी बन सकते हैं. ऐसे संपूर्ण पावन फरिश्ता बनने वाली आत्माओं को भी खुदाई खिदमतगार कहा जाता हैं.

अब हम सब ब्राह्मण आत्मायें साकार रुप में खुदाई खिदमतगार तो बने है. अभी हमें तीव्र पुरुषार्थ कर योगबल से स्वयं को संपुर्ण पावन बनाकर मम्मा बाबा जैसे आकारी खुदाई खिदमतगार फरिश्ते बनना ही हैं.

अभी हमारी आत्मा को पास्ट 63 जन्मो के विकर्म और इस जन्म के विकर्म से मुक्त संपूर्ण पावन आत्मा बनाने की विधि हैं ----

1. इस जन्म के जो भी विकर्म पास्ट में किए है ऊसे बड़ी सच्चाई सफाई से बाबा को बता देना हैं. बाबा ने इस पर ही कहा इस जन्म के पापों से हल्का होने के लिए बाप को सच-सच सुनाओ, तो हल्का बन जायेंगे.

2. आत्मा के पास्ट 63 जन्मो के विकर्म को विनाश करने की विधि है, एकान्त में बैठ, खुद को आत्मिक स्थिति (अशरीरी स्थिति) में स्थित कर परमप्रिय-परमपिता-परमात्मा को परमधाम में बिजरूप अवस्था में याद करो. इसी विधि से हमारे पास्ट 63 जन्मो के विकर्म विनाश होते हैं और आत्मा संपूर्ण पावन बनकर मम्मा बाबा जैसे आकारी खुदाई खिदमतगार फरिश्ते बन जायेंगी.

ॐ शांति.